THE SUNDAY INDIAN
THE NATION'S GREATEST NEWS WEEKLY

आलेख के प्रिंट करीं

पूर्ण प्रतियोगिता, कम से कम सरकारी हस्तक्षेप आ निजीकरणे से दूर होई सब समस्या

अनिल पांडेय | नई दिल्ली, जुलाई 18, 2012 16:21

पूंजीवाद, बाजारवाद अउर पूर्ण प्रतियोगिता के अवधारणे एगो अइसन सिद्धांत हऽ जेकरा अपना के कवनो देस एक साथे सामाजिक, आर्थिक अउर शैक्षणिक समस्या सहित हर समस्या से ना खाली निजात पा सकेला बलुक तरक्की अउर विकास के मार्गो पऽ आगे बढ़ सकेला. देस के तंगहाल आर्थिक स्थिति से निराश जनता अउर बाजार नब्बे के दशक में अइसन अचानक आइल विकास के छू के एकर अनुभूतियो क□ चुकल बा. बाकिर वर्तमान समय में इरादतन चाहे गैर इरादतन ढंग से बाजार से प्रतियोगिता के स्थिति बनावे के बजाए एकरा अउर हतोत्साहित कइल जा रहल बा, जेकर परिणाम महंगाई, मुद्रास्फिति जइसन समस्या के रूप में हमनी के सामने आ रहल बा. ई सब बात सेंटर फॉर सिविल सोसायटी (सीसीएस) के ओर से देस भर के पत्रकारन खातिर लोकनीति विषय प□ आयोजित एगो कार्यशाला "आई-पॉलिसी" में उभर के आइल.□

दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय थिंकटैंक संस्था सेंटर फॉर सिविल सोसायटी अउर एटलस नेटवर्क, यूएस के सहयोग से देश के प्रतिष्ठित अखबारन अउर न्यूज चैनलन के दू दर्जन से अधिक पत्रकारन खातिर मसूरी में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला आ परिचर्चा में शैक्षणिक, आर्थिक अउर सामाजिक समस्या जइसन जटिल विषय के समाधान, उदारवाद, पूंजीवाद अउर बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता के स्थिति के आधार प□ सुझावल गइल. अतवार के देर रात तक चलल आठ सत्र में बंटल एह कार्यशाला सह परिचर्चा में सीसीएस के भुवना आनंद, निमिष अधिया, अमित चंद्र, शांतनु गुप्ता, पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के चक्षु रॉय, श्री आई ई के ज्योत्सना पुरी आ ग्रीन स्माइल डाट काम के प्रतीक शाह अंतरराष्ट्रीय स्तर प□ कइल गइल शोध अउर ओकर टिप्पणी के हवाले से पूंजीवाद, उदारवाद आ पूर्ण प्रतियोगिता के स्थति से संबंधित भ्रांतियन के दूर क□ के ओकर लाभ के बारे में जानकारी दीहल गइल. भुवना आनंद जहवां लोकनीतियन अउर ओकर दस गो सबसे बढ़िया सिद्धांतन प□ प्रकाश डलली, ओहिजे अमित चंद्र रेहड़ी-पटरी व्यवसायियन आ रिक्शा चालकन के समस्या के समाधान खातिर उपाय सुझइले. अमित पर्यावरण प्रदूषण, यातायात समस्या अउर गायब होत जीव के संरक्षण जइसन समस्या के वैश्विक स्तर प□ भइल शोध के माध्यम से समाधान सुझइले. अमेरिका के मैनहटनविले यूनिवर्सिटी के प्राध्यापक निमिष अधिया व्यवसायियन आ पूंजीपतियन के प्रति लोगन के पुरान अवधारणा में आ रहल बदलाव के सिनेमा के मुख्यपात्रन के माध्यम से देखइले. ऊ अयोग्य लोगन के सरकार के ओर से मिले वाला गैरइरादतन लाभो प□ विस्तृत रूप से बतइले. शांतनु गुप्ता सरकार के ओर से स्कूलन के आर्थिक सहायता देवे के बजाए सीधे छात्रन के स्कूल वाउचर देवे के विचार सुझइले. ऊ बतइले कि गुजरात में जहवां एकर शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर प□ हो चुकी बा, ओहिजे दोसरो राज्य एकरा ओर रुझान देखइले बाड़े. पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के चक्षु रॉय संसद आ सांसदन के कार्यप्रणाली प□ तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कइले. प्रतीक शाह दिनोदिन मजबूत आ प्रभावी जनसंचार माध्यम के तौर प□ विस्तारित होत सोशल मीडिया आ एकर प्रयोग प□ विचार रखले. कार्यशाला में अनिल पांडेय, पारुल शर्मा, चंडीदत्त शुक्ला, रवीश रंजन, अमित कुमार, वेद विलास उन्याल, शुभोजित सेन गुप्ता, राजेश्वरी अइय्यर, प्रणव जोशी, विकास चौहान, मल्लिका जोशी, एहतेशामुल हक, सुरेश चंद रमोला, जतिन आनंद, श्याम सुंदर, शिवानी पांडेय, अरुणेश शर्मा, हितेंद्र गुप्ता, रंजू ऐरी, भावना नायर, सुषमा शर्मा, अंतिका जैन, सिकंदर पारीक, अनमोल गुप्ता, शूरवीर भंडारी सहित कइगो पत्रकार शामिल भइले.□